भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

....

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1190

(16 दिसम्बर, 2013 को उत्तर दिए जाने के लिए)

## हिमायत योजना के अंतर्गत कौशल विकास

**1190. श्री जी॰ एन॰ रतनपुरी:**

क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हिमायत योजना के अंतर्गत पांच वर्षों की अवधि में जम्मू और कश्मीर के एक लाख युवक/युवतियों को कौशल विकास एवं रोजगार पाने की आशा थी;
(ख) इस योजना के प्रारंभिक तीन वर्षों के दौरान कौशल विकास तथा रोजगार प्राप्त करने वाले युवक/युवतियों का, बीच में योजना छोड़ देने वालों सहित, वर्ष–वार ब्यौरा क्या है;
(ग) लक्ष्यों और उपलब्धियों के बीच भारी अंतर के क्या कारण हैं और लक्ष्यों को पूर्णरूप में प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) राज्य सरकारें, यदि कोई हों, जिन्होंने जम्मू और कश्मीर के युवाओं को कौशल विकास हेतु स्वीकार करने से मना कर दिया है, तो उनके नाम क्या–क्या हैं?

**उत्तर**

**ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्री प्रदीप जैन 'आदित्य')**

(क) : जी, हां।

(ख) : पिछले तीन वर्षों में हिमायत योजना के अंतर्गत कुल प्रशिक्षण लक्ष्य तथा प्रशिक्षित और नियोजित अभ्यर्थियों का ब्यौरा निम्नलिखित है:

| क्र.सं. | वर्ष | प्रशिक्षण के लिए लक्ष्य | प्रशिक्षित/प्रशिक्षणरत कुल अभ्यर्थी | कुल नियोजित अभ्यर्थी (छोड़ दिए गए अभ्यर्थी) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 2011-12 | 2000 | 1690 | 1030 |
| 2. | 2012-13 | 7000 | 7302 | 6004 |
| 3. | 2013-14 | 19000 | 12192# | 5487 |
| | कुल | 28000 | 21184 | 12521 |

(स्त्रोत – एचएमएमयू)

#इसमें चालू वर्ष के दौरान 8 दिसम्बर, 2013 तक प्रशिक्षण पूरा करने वाले 7397 अभ्यर्थी और प्रशिक्षणरत 4795 अभ्यार्थी शामिल हैं।

(ग) : उपरोक्त (ख) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(घ) : ऐसा कोई मामला नहीं मिला है जिसमें राज्य सरकार ने हिमायत के तहत कौशल विकास के लिए जम्मू कश्मीर के युवकों को अस्वीकृत किया हो।